प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह
अध्यक्ष
Prof. D. P. Singh
Chairman

सत्यमेव जयते

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
University Grants Commission
Ministry of Education, Govt. of India

D.O. No.F.14-1/2021 (CPP-II)

10 मई २०२१

कोविड-19 महामारी के खिलाफ एकजुट प्रयास

प्रिय साथियों,

आप सभी को विदित है कि कोविड-19 महामारी का प्रसार निरंतर हो रहा है। इस कारण व्यक्तियों और संस्थानों का दैनन्दिन जीवन और कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। कोविड-19 महामारी की वजह से हमारी शैक्षिक संस्थाओं की कार्य प्रणाली भी बाधित हो रही है। ऐसे समय में उच्चतर शिक्षण संस्थानों को अपने सभी हितधारकों जैसे कि विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी और अन्य, जिनमें उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं, के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और समग्र कल्याण हेतु सक्रिय रूप से सहभाग करने की ज़रूरत है।

इस चुनौतीपूर्ण समय की मांग है कि हम हितधारकों की समस्याओं और जरूरतों के प्रति संवेदनशील रहें और इस तरह की स्थिति को दूर करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करें। संस्थानों के प्रमुखों के रूप में, आप सभी से यह अपेक्षित है कि आप सभी अपने शैक्षणिक परिसर को सुरक्षित रखें।

भारत सरकार द्वारा निर्धारित एसओपी/प्रोटोकॉल/दिशानिर्देशों के उचित पालनार्थ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) समय-समय पर, उच्चतर शिक्षण संस्थानों में संक्रमण के प्रसार की रोकथाम तथा कोविड काल में वांछनीय व्यवहार और संस्थागत गतिविधियों के प्रबंधन के लिए सलाह और दिशानिर्देश जारी करता रहा है। मुझे विश्वास है कि तदनुसार उच्चतर शिक्षण संस्थान उचित उपाय और कल्याणकारी गतिविधियाँ कर रहे होंगे।

सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए, वर्तमान परिस्थिति से उबरने में निम्न उपाय कारगर सिद्ध हो सकते हैं:

- कोविड टास्क फोर्स और हेल्प लाइन का गठन।
- कोविड काल में वांछनीय व्यवहार को बढ़ावा देना जिसमें स्वच्छता, मास्क पहनना, साबुन से बार-बार हाथ धोना, सामाजिक दूरी को बनाए रखना, परीक्षण कराना, संदिग्ध मामलों का पता लगाना और उचित उपचार कराना शामिल है।

बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
दूरभाष Phone : कार्यालय Off. : 011-23234019, 23236350, फैक्स Fax : 011-23239659, e-mail : cm.ugc@nic.in | web: www.ugc.ac.in

- मानसिक स्वास्थ्य, मनो-सामाजिक सहायता और कल्याण के लिए परामर्शदाता की व्यवस्था करना।
- घर में रहते हुए सभी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रेरित करना।
- स्वयं तथा अपने दोस्तों और परिवार की सुरक्षा के लिए टीकाकरण अभियान में भाग लेने के लिए हितधारकों को प्रोत्साहित करना।
- ज़रूरतमंदों को शीघ्र सहायता प्रदान करने के लिए एनसीसी और एनएसएस सहित जीवन-कौशल में अच्छी तरह से जानकार तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की टीम बनाना।
- विद्यार्थियों , शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए उपयुक्त कल्याणकारी उपाय करना।
- संकटग्रस्त लोगों और दिव्यांगजनों तक त्वरित मदद पहुंचाने हेतु व्यवस्था करना।

मैं सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों से इस मुश्किल समय में विद्यार्थियों , शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों और अन्य हितधारकों के अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा हेतु अपने संस्थागत प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करने का आग्रह करता हूँ । हम सभी को अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा और कोविड-19 महामारी के खिलाफ पूर्ण जिम्मेदारी से एकजुट होकर लोगों की इस संकट में मदद करनी होगी। इस महामारी का प्रभावी रूप से सामना करने हेतु हमारा एकजुट रहना अति आवश्यक है।

आप सभी को मेरी शुभकामनाएँ।

भवदीय

धीरेन्द्र पाल सिंह

(धीरेन्द्र पाल सिंह)

प्रति ,

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति

सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य